



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 28 अप्रैल, 1993/8 वैशाख, 1915

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 8 अप्रैल, 1993

संख्या ई०एक्स०एन०एफ (11) 35/74-III.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, प्रथम नवम्बर, 1966 से तुरन्त पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों को यथा लागू और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गये क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त, पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 (1914 का 1) की धारा 56 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस वर्ष कमांडिंग आफिसर, 175 फील्ड रेजीमेंट, मार्फत, 56 ए० पी० ओ० को उनका छव्वीसवां स्थापना दिवस मनाने हेतु 780 बोतलें रम, 235 बोतलें व्हिस्की और 72 बोतलें बीयर पर आबकारी शुल्क तथा निर्धारित फौस की आधी राशि, जो मुबालिग 12,127/- रुपये बनती है, पर छूट प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,

ए० एन० विद्यार्थी,
वित्तायुक्त एवं सचिव।

श्रम एवं रोजगार विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 12 अप्रैल, 1993

संख्या श्रम(ए) 4-9/92.—श्रम एवं रोजगार निदेशालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला-2 में केन्द्रीय रोजगार कक्ष की स्थापना किये जाने के फलस्वरूप, भारत के राष्ट्रपति, नियोजनालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) अधिनियम, 1959 की धारा 4 की उप धारा (2), जिसे कियोजनालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) नियम, 1960 की धारा 2 की उप धारा (5) के साथ पढ़ा जा रहा है, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश देते हैं कि हिमाचल प्रदेश में निजी क्षेत्र के प्रत्येक स्थापन या उसके स्थापनों के किसी वर्ग या प्रवर्ग से सम्बन्धित प्रत्येक स्थापन का नियोजक, स्थापना के किसी नियोजनालय में किसी भी तकनीकी कुशल एवं उच्च कुशल स्वरूप की प्रत्येक रिक्ति को स्थानीय रोजगार कार्यालय के बजाए “केन्द्रीय रोजगार कक्ष” श्रम एवं रोजगार निदेशालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला-2 में स्थित को अधिसूचित करेगा।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

वितायुक्त एवं सचिव।

स्थानीय स्वशासन विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 16 अप्रैल, 1993

नं० एल० एम० जी० एफ० (9) 1/74-III.—हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1979 की धारा 434 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राष्ट्रपति, नगर निगम द्वारा पारित प्रस्ताव नं० 7 (3) (2) दिनांक 24-6-92 तथा प्रस्ताव संख्या 4 (1) दिनांक 23-1-93 को तत्काल से सर्व निलम्बित करते हैं क्योंकि नगर निगम के उक्त प्रस्तावों में वर्णित कार्रवाई से जन साधारण में असंतोष पैदा होने की सम्भावना है और व्यापक जनहित में उचित नहीं है।

शुद्धि पत्र

शिमला-2, 19 अप्रैल, 1993

नं० 7-57/71-एम०जी०-II.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना, दिनांक 24-3-93 के क्रम नं० 7 में दिए गए नायब-तहसीलदार हमौरपुर के स्थान पर नायब-तहसीलदार राजानपुर टिहरा पढ़ा जाए।

अधिसूचना

शिमला-2, 20 अप्रैल, 1993

नं० एम० एम० जी० एफ० (15) 14 81.—भारत के राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश राजपत्र (प्रसाधारण) तारीख 4 अप्रैल, 1992 में प्रकाशित इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख 1-8-1992 को जारी रखत हुए माबाराण

खण्ड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 21 के साथ पठित जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जांच आयोग द्वारा फिंगास्क एस्टेट में हुई घटना के कारणों की जांच पूर्ण करने और इस सम्बन्ध में उन्हीं निबन्धनों और शर्तों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अवधि को 31-5-1993 तक बढ़ाते हैं।

[Authoritative English text of this Department notification No. LSG-B (15) 14/81, dated 20th April, 1993, as required under Article 348 (3) of Constitution of India].

NOTIFICATION

Shimla-2, the 20th April, 1993

No. LSG-B (15) 14/81.—In continuation of this Department Notification of even number, dated 1-8-1992, as published in the extra ordinary Gazette, Himachal Pradesh, dated the 4th August, 1992, the President of India, in exercise of the powers vested in him under section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952 (Act No. 60 of 1952) read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (Act No. 10 of 1897) is pleased to extend the period for completion of inquiry into the causes of the incident which occurred in Fingask Estate by the Commission of Inquiry and submission of report, upto 31-5-1993 on the same terms and conditions.

By order,

S.S. SIDHU,
F. C.-cum-Secretary (LSG).

